प्रश्न पत्र – MJY-C301

अर्जिताधिमार 06-05

एम.ए. तृतीय–सत्र

तृतीय सत्र में **MJY-C301** और **MJY-C302** पत्र अनिवार्य होगा और ज्योतिर्विज्ञान **MJY-E301, MJY-302, MJY-303** में से एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का और वैदिक कर्मकाण्ड– **MJY-E304, MJY 305, MJY306** मेंएक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन विभागाध्यक्ष के परामर्श में करना होगा।

अनिवार्य पत्र

सूर्यसिद्धान्त

70+30=100 पूर्णांक

SURYA SIDHANT

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 मध्यमाधिकार
खण्ड – 2 स्पष्टाधिकार
खण्ड – 3 त्रिप्रश्नाधिकार
खण्ड – 4 ग्रहणाध्याय
खण्ड – 5 मानाध्याय / भूगोलाध्याय

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सूर्यसिद्धान्त विज्ञानभाष्य – (व्या0) महावीर श्रीवास्तव, लखनऊ
2. सूर्यसिद्धान्त गणपतिलाल शर्मा, हंस प्रकाशन, जयपुर, राजस्थान
3. सूर्यसिद्धान्त – रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त – कपिलेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी